# CHAPTER 37

# MUSIC

## Doctoral Theses

305. देव (नम्रता)

**युवा और उदीयमान कलाकारों के संवर्धन में संगीत गुरू एवं विभिन्न संस्थाओं का योगदान ।**

निर्देशिका : प्रो. उमा गर्ग

Th 15647


*सारांश*

संगीत के विद्यार्थी को एक कलाकार के रूप में स्थापित होने में परिवार, समाज, गुरू एवं विभिन्न संस्थाओं का जो योगदान है, उस पर विस्तृत चर्चा की गई है । संगीत शिक्षण में गुरू-शिष्य परम्परा, घराना पद्धति एवं घराना के आविर्भाव की चर्चा करते हुए हिन्दुस्तानी शास्त्रीय गायन के कुछ प्रमुख घरानों का विवरण प्रस्तुत किया गया है । इसके अतिरिक्त घराना पद्धति के गुण-दोष का भी विवेचन किया गया है । विद्यालयीन संगीत गुरू एवं शिक्षण पद्धति को समझाते हुए विभिन्न विद्यालयों महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों एवं संगीत संस्थओं का विवरण एवं संस्थागत शिक्षण पद्धति के गुण-दोषों की चर्चा की गई है । युवा कलाकारों के संवर्धन में कार्य कर रही विभिन्न संस्थाओं के विषय में विवेचनात्मक अध्ययन किया गया है । आकाशवाणी, दूरदर्शन, ऑडियो कैसेट, सी. डी. इत्यादि कम्प्यूटर एवं इन्टरनेट तथा पत्र पत्रिकाओं के उद्‌गम और विकास का संक्षिप्त एंतिहासिक विवरण देते हुए युवा कलाकारों के संवर्धन में यह किस प्रकार अपना योगदान देते हैं इसका वर्णन तथा पहले और वर्तमान परिप्रेक्ष्य में इनके कार्यों का तुलनात्मक अध्ययन प्रस्तुत किया गया है ।

*विषय सूची*

1. युवा एवं उदीयमान कलाकार । 2. संगीत शिक्षण में गुरू का महत्व । 3. संगीत शिक्षण में संस्थागत गुरू एवं शिक्षण का महत्व । 4. युवा कलाकारों के संवर्धन में कार्य कर रही विभिन्न संस्थायें । 5. युवा कलाकारों के प्रचार-प्रसार में मीडिया से जुड़ी संस्थाओं एवं अन्य साधनों का योगदान । 6. उपसंहार एवं परिशिष्ट ।

306. कालरा (श्रुति)
**भारतीय शास्त्रीय संगीत के संदर्भ में सौंदर्य शास्त्र के मूलाधारों का विश्लेषणात्मक अध्ययन ।**
निर्देशिका : प्रो. अनुपम महाजन
Th 15644

*सारांश*

किसी भी कला का प्राण तत्त्व 'सौंदर्य' है । उत्कृष्टतम ललित कला होने के कारण संगीत में सौंदर्य स्वाभाविक रूप से ही विद्यमान है । सौंदर्य के आवश्यक तत्त्वों का निरूपण संगीत में करने से सौंदर्य-निष्पत्ति तथा सौंदर्य शास्त्र के चार पक्ष कलाकार, कलाकृति, प्रेक्षक तथा समीक्षक का विवेचन शोध प्रबंध में प्रस्तुत किया है ।

*विषय सूची*

1. सौंदर्य शास्त्र की भूमिका एवं सौंदर्य के उपादान । 2. सौदर्यानुभूति तथा शास्त्रीय संगीत में उसका स्थान । 3. कलाकार । 4. कलाकृति । 5. प्रेक्षक । 6. समीक्षक। 7. कलाकार, कलाकृति, प्रेक्षक एवं समीक्षक का परस्पर संबंध । उपसंहार । संदर्भ-ग्रंथ-सूची ।

307. KAUSHIK (Vidhu)
**Impact of Technology in Visual Art : Micro Study.**
Supervisor : Dr. B. S. Chauhan
Th 15648

*Abstract*

It is a micro study which defines the role of technology in art, or in what ways the technology is overpowering the art field.

*Contents*

1. Impact of technology in visual art in India. 2. Impact of technology in the field of visual art in Indian reference. 3. Impact of technology in various medium of visual art. 4. Impact of technology in the visual art education. 5. The future of technology in visual art. Bibliography and Appendices.

308. KHAN (Vineeta Rashid)
**Music and Human Physiology.**
Supervisor : Prof. Anjali Mittal
Th 15649

*Abstract*

Concludes that undoubtedly brain and music are two most complex and mysterious wonders. But at the same time both are most natural and simple requirements for a healthy existence of life. Music has a very strong, very definite physiological and psychological effect on people. But the question arises is as to why do our systems react to music? Researchers believe that music gets to us because we are rhythmic beings, with rhythm in respiration heartbeats, brain waves, gait, and speech. The impact of music appears to be in the way musical sounds reach and affect the brain.

*Contents*

1. Music & brain. 2. Music and vocal cords (Folds). 3. Music and human ear. 4. Music and respiratory system. 5. Effects of music. 6. Conclusion. Bibliography.

309. NUDTASARA (Tanapachara)
**Comparative Study of Instruments of Thai Music and Indian Music.**
Supervisor : Prof. Sunita Dhar
Th 15646

*Abstract*

Deals with Thai histories and theories of music and compares classical musical instruments of Thai and India by describing it in elemental theories and histories of Thai music.

*Contents*

1. Introduction. 2. The evolution and development of Thai music. 3. Classification of instruments. 4. Thai musical instruments. 5. The fundamental of Thai music. 6. Form, compositional technique Thai music. 7. Comparative with Indian classical music and Thai music instruments. 8. Conclusion and bibliography.

310. सोरेन (सुरेन्द्र नाथ)

**सौन्दर्य शास्त्रीय दृष्टिकोण से ख्याल गायन के विशिष्ट सन्दर्भ में महिला कलाकारों का योगदान ।**

निर्देशिका : प्रो. सुनीता धर

Th 15645

*सारांश*

शोध प्रबन्ध में प्राचीन काल में संगीत की स्थिति का विश्लेषणात्मक अध्ययन किया गया है । नाट्यशास्त्र, संगीत रत्नाकर आदि प्राचीन ग्रंथों के आधार पर नारी की सांगीतिक स्थिति की चर्चा विस्तृत रूप से की गई है । मध्ययुग में भारतीय नारी की क्या स्थिति थी, उसी की विशेष चर्चा की गई है । उत्तर भारत में गाई जाने वाली गायन की विभिन्न शैलियों पर आधारित है, जिसके अंतगर्त विभिन्न गायन शैलियों की विस्तृत चर्चा की गई है । स्वतंत्रता के पश्चात् स्त्रियों की संगीत के क्षेत्र में क्या स्थिती थी ? इसके सन्दर्भ में विशेष चर्चा की गई है । ख्याल, घरानों के ग्वालिया, दिल्ली, आगरा, किराना, जयपुर, पटियाला आदि घरानों एवं इन घरानों से संबंधित महिला कलाकार का अध्ययन किया गया है । देश की उन सभी महिला कलाकारों के विषय में जानकारी दी गई है, जिन्होंने भारतीय संगीत के उत्थान में अपना विशेष योगदान दिया है । ख्याल गायन में प्रमुख महिला कलाकारों का गायन के क्षेत्र में सौंदर्यता का विश्लेषण किया गया है एवं उनकी जीवनी के बारे में विशेष रूप से जानकारी दी गई है ।

*विषय सूची*

1. भारतीय संगीत का ऐतिहासिक स्वरूप । 2. प्राचीन संगीत के इतिहास में नारी का स्थान । 3. मध्ययुगीन भारत में नारी की स्थिति । 4. उत्तर भारतीय संगीत में गायन की विभिन्न शैलियाँ । 5. स्वतंत्रता पश्चात् भारतीय संगीत की स्थिती । 6. ख्याल गायन के प्रमुख घरानों का परिचय एवं उनसे संबंधित महिला कलाकार।

7. 19वीं एवं 20वीं सदी के ख्याल गायन में महिला कलाकार । 8. सौंदर्य शास्त्रीय दृष्टिकोण से ख्याल गायन में महिला कलाकरों का योगदान । उपसंहार । संदर्भ-ग्रंथ-सूची ।

311. उज्जवल कुमार

**मिथिलांचल में दरभंगा महाराजाओं का सांगीतिक योगदान ।**

निर्देशक : प्रो. अनुपम महाजन

Th 15650

*सारांश*

दरभंगा महाराजाओं में महापाध्याय महेश ठाकुर की वंशावली के मिथलेशों द्वारा संगीतकला के संरक्षण व संवर्धन में विशेष योगदान रहा । शोध की विषयवस्तु मिथिलांचल के ऐसे दरभंगा महाराजाओं के उपर केन्द्रित है जो कला प्रेमी व संगीत प्रेमी रहे अर्थात् जिन्होंने मिथिलांचल के सांस्कृतिक विरासत के विकास में अपना अमूल्य योगदान दिया है ।

*विषय सूची*

1. मिथिलांचल के कला एवं संस्कृति का इतिहास । 2. मिथिलांचल की सांगीतिक परम्परा । 3. ''दरभंगा महाराजाओं'' की परम्परा, जीवन वृत्तांत, संगीत अभीरूचि व सांगीतिक योगदान । 4. संगीत जगत के मूर्धण्य कलाकारों के साक्षात्कार के विविरण । उपसंहार । संदर्भ-ग्रंथ-सूची ।

312. वार्ष्णेय (दीपा गुप्ता)

**हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत के संदर्भ में चौदहवीं से सत्रहवीं शताबदी तक के प्रमुख वाग्गेयकारों का विश्लेषणात्मक अध्ययन।**

निर्देशक : प्रो. नजमा परवीन अहमद

Th 15823

*सारांश*

वाग्गेयकार की रचनाओं में जहां साहित्य एवं तन्मन्यता का होना आवश्यक है वहीं उसमें श्रोतागण को असीम आनन्द प्राप्त कराने का गुण भी आवश्यक होना चाहिए। मध्यकाल विशेषकर 14वीं से 17वीं शताब्दी के मध्य कई महान विभूतियों ने जन्म

लिया, हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत की प्रगति में इन विख्यात वाग्गेयकारों ने अविस्मरणीय योगदान दिया उन्होंने उत्कृष्ट कोटी की रचनाएं करके आने वाली पीढी के लिए नये आयाम स्थापित कर दिए हैं । इस युग के वाग्गेयकारों द्वारा रचित बंदिशों में अध्यात्मक तथा शृंगार दोनों पक्षों का सुन्दर समन्वय दृष्टिगोचर होता है ।

*विषय सूची*

1. वाग्गेयकार की परम्परा का ऐतिहासिक अवलोकन । 2.वाग्गेयकार शब्द का अर्थ तथा ग्रंथों से प्राप्त परिभाषाएं । 3. विभिन्न ग्रंथों में वर्णित वाग्गेयकारों के गुण व लक्षण । 4. प्राचीन तथा मध्यकाल के प्रमुख वाग्गेयकारों का संगीत के क्षेत्र में योगदान। 5. आधुनिक काल कें प्रमुख वाग्गेयकारों का संगीत के क्षेत्र में योगदान । 6. प्राचीन समय से आधुनिक समय तक के वाग्गेयकारों की परम्परा में परिवर्तनशीलता का अवलोकन । उपसंहार । संदर्भ-ग्रंथ-सूची ।

## M.Phil Dissertations

313. ARORA (Sonal)
**Mansik Rup Se Durbal Vyakti Ke Vikas Me Sangeet Ki Bhoomika.**
Supervisor : Prof. Uma Garg

314. BALUTIA (Bhawna)
**Samay Chakra Key Anusaar Din Key Dhusrey Prahar Mein Gaye Janey Wale Raga.**
Supervisor : Prof. Najam Perveen Ahmed

315. BARUAH (Sudarshana)
**Assam Ki Lok Sanskriti Mein Prachalit Ujapali Geet.**
Supervisor : Prof. Manjushree Tyagi

316. CHOPRA (Deepika)
**Mystic Approach of Music.**
Supervisor : Dr. Alka Nagpal

317. JOSHI (Anshu)
**Bilawal Ke Aprachalit Prakaron Ka Siddhanika Ve Vyavarikh Adhyyan.**
Supervisor : Prof. Anupam Mahajan

318. KAWE (Manpreet)
**Hindustani Shastriya Sangeet Mein Vakra Jati Ke Kuch Ragon Ka vishleshantmak Adhyyan.**
Supervisor : Prof. Najma Perveen Ahmed

319. MAMGAI (Manish)
**Bhartiya Vadhyon Ke Paripaksh Mein Delhi Ke Sangrahalayon Ka Sarvlkshan.**
Supervisor : Dr. Madan Shankar Mishra

320. MANORAMA RANI
**Sangeet Ka Samajik Paksh.**
Supervisor : Prof. Sunita Dhar

321. MAURYA (Sapna)
**Madhya Kalin Tantri Vadhon Ka Adhyyan.**
Supervisor : Prof. Suneera Kasliwal

322. MISHRA (Vinay Kumar)
**Adhunik Samay Mein Hindustani Shastriya Sangeet Mein Harmonium Ki Upaogitha.**
Supervisor : Prof. Najma Perveen Ahmed

323. MUKESH BHARTI
**Hindustani Sangeet Mein Raagon Ke Aprachalit Honey Key Karan Evam Nivaran Ek Samishatmak Adhyyan.**
Supervisor : Prof. Uma Garg

324. PATHAK (Prabhakar Narayan)
**Dhrupad-0-Dhamar Geya Vidhon Mein Mallick (Devebhanga) Gharney Ki Vishesta.**
Supervisor : Prof. Madhu Bala Saxena

325. RACHANA
**Delhi Rajya Key Sangeet Shiksha Sansthanon Mein Sangeet Ki Stithi.**
Supervisor : Prof. Anjali Mittal

326. ROY (Deboshree)
**Vaggeykar Kaji Nazrul Islam Krit Nazrul Geeti Shastriya Sangeet Ke Sandarbh Mein.**
Supervisor : Prof. Krishna Bisht

327. SALVAN (Neha)
**Sugam Sangeet Mein Sangat Vadhyon Ka Mehtav.**
Supervisor : Prof. Manjushree Tyagi

328. संजीव कुमार
**आश्रय रागों का ग्रन्थों में उल्लेख तथा वर्तमान स्वरूप ।**
निर्देशिका : डॉ. नुपुर रॉय चौधरी

329. SANTOSH
**Sanskritik Parivesh Key Sandarbh Mein Gadhwali Lok Geetaon Ki Dharmik Parampra : Ek Sangeetik Adhyyan.**
Supervisor : Prof. Sunita Dhar

330. SEN (Olympica)
**Contribution of Modern Technology in Preservation and Propagation of Music (With Special Reference to Sound Recording).**
Supervisor : Prof. Madhu Bala Saxena

331. SHARMA (Shaveta)
**Bhairav Thaat ke Kuch.**
Supervisor : Prof. Krishna Bisht

332. SHARMA (Sudhanshu)
**Analysis of the Literal and Musical Aspects of the Bandishes of Pt. Amarnath.**
Supervisor : Prof. Uma Garg

333. SHER ALI
**Raga Gayan Mein Khyal Bandishon Key Saundryatmak Swarup Ka Mehtav.**
Supervisor : Prof. Anjali Mittal

334. SINGH (Bhupinder)
**Sikh Bhakti Sangeet Ke Prachar Mein Vibhin Sansthano Ka Yogdan.**
Supervisor : Dr. Nupur Roy Chaudhri

335. SUPRIYA
**Acharya Ratanjankar Ji Ke Bandishon Ka Vishleshnatmak Adhyyan.**
Supervisor : Prof. Sunita Dhar